मुख्यमंत्री ने चम्पारण पदयात्रा को हरी झंडी दिखाई :– मुख्यमंत्री

पटना, 15 सितम्बर 2016 :– युवा जदयू द्वारा आयोजित चंपारण पदयात्रा को मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर लोगों को संबोधित करते हुये मुख्यमंत्री ने कहा कि चंपारण पदयात्रा प्रदेश जनता दल (यू0) युवा के अध्यक्ष श्री संतोष कुशवाहा के नेतृत्व में शुरू किया जा रहा है। इस पदयात्रा का समापन चंपारण के भितिहरवा में होगा। आज यह पदयात्रा गॉधी जी के प्रतिमा के नीचे से शुरू की गई है। उन्होंने कहा कि बापू के चंपारण सत्याग्रह के 100वें साल के अवसर पर इस कार्यक्रम को तय किया गया, इसके लिए आप सभी को बधाई देता हूँ। पदयात्रा का मुख्य उद्देश्य नशामुक्ति और संघ से मुक्ति है। उन्होंने कहा कि जो विचार समाज को बांटता हो, समाज की सहिष्णुता को समाप्त करता हो, उसे फैलने नहीं देना चाहिये, उससे लोगों को अवगत कराना चाहिये। आप लोगों को बापू के आदर्श एवं मूल्यों से अवगत करायें। वैसे विचार से अवगत करायें, जो समाज को जोड़ता हो। उन्होंने कहा कि हम सिर्फ विकास की बातें नहीं करते हैं, हमारा उदेद्श्य न्याय के साथ विकास है। विकास अंतिम पायदान पर खड़े लोगों तक पहुँचे, हमारा यही प्रयास रहता है। बापू ने भी हमें यही सिखाया है। कोई भी निर्णय अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के हित में है कि नहीं, इस उदेद्श्य से लिया जाना चाहिये। उन्होंने कहा कि समाज में अमन चैन हो, कानून का राज हो, इसके साथ आगे बढ़ना है। आज तक जितनी भी योजनायें चलाई गई हैं, उसका आधार यही है। इस उद्देश्य के साथ इस पदयात्रा का आयोजन किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि शराबबंदी का निर्णय कोई आम निर्णय नहीं है। शराबबंदी को अनेक जगह लागू किया गया है परन्तु यह सफल नही हो पाया है। हमने हर पहलू पर गौर कर शराबबंदी लागू किया है। शराबबंदी की आलोचना अकारण की जाती है। आलोचना करने वाले गरीबों के बीच जाकर अध्ययन करें। गॉवों एवं कस्बों में जाकर हालात को देखिये। उनकी जीवन में कितनी प्रसन्नता आई है, पता चल जायेगा। पहले जहॉ झगड़ा, झंझट का माहौल होता था, आज वहॉ शांति का माहौल है। उन्होंने कहा कि हमने 2011 से मद्य निषेध दिवस के आयोजन की शुरूआत की है। जो गॉव शराब से मुक्त होते थे, उन्हें पुरस्कृत किया जाता था। शराबबंदी के लिए अच्छे पोस्टर बनाने वाले, अच्छा नारा लिखने वाले बच्चों को भी पुरस्कृत किया जाता था परन्तु लगा कि इससे काम नहीं चलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रीकृष्ण मेमोरियल हॉल में 9 जुलाई 2015 को जीविका के महिलाओं के स्वयं सहायता समूह के कार्यक्रम में मैं शामिल हुआ था। लोगों को संबोधित करने के बाद जैसे ही मैं अपने स्थान पर बैठा, तभी महिलाओं की आवाज आयी कि शराबबंदी लागू कीजिये। मैंने पुनः माइक पर आकर कहा कि अगली बार सता में आयेंगे तो शराबबंदी लागू करेंगे। महिलाओं की मांग पर शराबबंदी लागू की गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोगों के लिए लोक शिकायत निवारण अधिकार कानून लागू किया गया है। लोगों के शिकायतों के निवारण के लिए अधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की गई है। अधिकारी संबंधित लोगों को बुलाते हैं तथा समस्याओं का समाधान करते है। ऐसा देश में पहली बार हो रहा है, इतना बड़ा काम हुआ है परन्तु कुछ लोगों को नजर ही नहीं आ रहा है, वे लोग सिर्फ शराबबंदी पर ही लगे हुये है। गोपालगंज की घटना का जिक्र करते हुये मुख्यमंत्री ने कहा कि गोपालगंज की घटना के बाद लोग कहने लगे थे कि शराबबंदी फेल हो गया। अपराध की घटना घटने से क्या कानून फेल हो जाता है। कानून फेल नहीं होता, कानून के प्रावधानों के अनुसार अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई की जाती है।

उन्होंने कहा कि आपराधिक मनोवृति के लोग काम करते हैं, सरकार उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करेगी। कानून के प्रावधानों के अनुसार उन्हें सख्त दंड दिया जायेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि शराबबंदी कार्य से जितना संतोष मुझे हुआ है, उतना संतोष कभी नहीं हुआ था। शराबबंदी से महिलायें, पुरूष, बच्चे सभी प्रसन्न हैं, जो पहले शराबबंदी के खिलाफ थे, आज वे भी प्रसन्न हैं, उन्हें लगता है कि आने वाली पीढ़ी का भविष्य उज्ज्वल होगा। शराबबंदी को सफलतापूर्वक लागू करने के लिए 1915 के कानून में संशोधन किया गया है। पुराने कानून की जगह नया कानून लाया गया। कुछ लोग इसे तालिबानी कानून कह रहे हैं। उनसे कहता हूँ कि 1915 के कानून के साथ इसकी तुलना कीजिये, तब आपको सच्चाई पता चल जायेगी। उन्होंने कहा कि बापू के जन्म दिन 2 अक्टूबर के दिन से नया कानून लागू होगा। बापू शराबबंदी के पक्षधर थे। बापू के श्रद्धांजलि के रूप में लागू होगा नया कानून। उन्होंने कहा कि शराबबंदी जैसा बड़ा काम बिना जन चेतना/जन सहयोग के सफलतापूर्वक लागू नहीं हो सकता है। उन्होंने कहा कि इस पदयात्रा से जन चेतना जागृत करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि एक बहुत बड़ी सामाजिक परिर्वतन की बुनियाद रखी गई है। हमारा सभी कार्यक्रम गॉधी जी, डॉ0 राम मनोहर लोहिया, जयप्रकाश नारायण के विचारों से प्रभावित है। उन्होंने कहा कि पहले स्कूल से बाहर रहने वाले बच्चों की संख्या साढ़े बारह प्रतिशत थी, जो अब घटकर एक प्रतिशत हो गई है। 12वीं के बाद गरीबी के कारण बच्चे आगे नहीं पढ़ पाते हैं। 12वीं कक्षा से आगे की पढ़ाई करने वाले इच्छुक छात्र–छात्राओं के लिए 4 लाख रूपये तक का स्टुडेंट क्रेडिट कार्ड योजना शुरू की जा रही है। 2 अक्टूबर से इस योजना को लागू किया जायेगा। उन्होंने कहा कि पदयात्रा के दौरान इन सब चीजों के बारे में लोगों को बताइयेगा। अधिक से अधिक बच्चे उच्च शिक्षा प्राप्त करें, हमारा यही उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि 2 अक्टूबर से स्टुडेंट क्रेडिट कार्ड, स्वयं सहायता भता, कौशल विकास योजना को लागू किया जायेगा, इसी दिन से शराबबंदी का नया कानून भी लागू होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार में बदलाव आ रहा है। लोगों की सोंच, लोगों के विचार, उनके व्यवहार में तबदीली आ रही है। उन्होंने कहा कि मैंने नौ प्रमण्डलों में महिलाओं के बड़े सम्मेलन में भाग लिया तथा उनसे बातचीत की। बातचीत के दौरान महिलाओं ने अपनी आपबीती बतायी। एक जगह एक महिला ने कहा कि पहले पति शराब पीकर रोज शाम में आते थे, अब पति शाम में जल्दी घर आते हैं और साथ में सब्जी लेकर भी आते हैं। आज उनका चेहरा प्रसन्न एवं सुंदर दिखता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जो लोग शराबबंदी की शिकायत कर रहे हैं, वे जमीनी हकीकत को देखें, सच्चाई दिख जायेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने कहा था कि किसी भी अच्छे एवं बड़े कार्य का लोग पहले मजाक उड़ाते हैं, उसके बाद उसका विरोध करते हैं, उसके बाद सबलोग साथ चल देते हैं, यहॉ भी वही होने वाला है। उन्होंने कहा कि आप सभी पदयात्रा के दौरान युवा पीढ़ी को संदेश सही रूप में देंगे। यह देश और समाज गॉधी जी के विचार से ही आगे बढ़ सकता है इसलिए उनके विचारों को नई पीढ़ी तक पहुँचाना होगा, उसकी चर्चा करनी होगी। गॉधी जी के विचारधारा आज बहुत ही प्रासंगिक है। उन्होंने कहा कि मैं इस अवसर पर आप सभी को अपनी शुभकामनायें देता हूँ। बापू के चरणों मे श्रद्धा–सुमन अर्पित करता हूँ और मैं उम्मीद करता हूँ की आपकी यह पदयात्रा कामयाब होगी, सफल होगी और इसका प्रभाव समाज में जरूर पड़ेगा।

इस अवसर पर जदयू प्रदेश अध्यक्ष श्री वशिष्ठ नारायण सिंह, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण मंत्री श्री कृष्णनंदन प्रसाद वर्मा, खान एवं भूतत्व मंत्री श्री महेश्वर हजारी, समाज कल्याण मंत्री श्रीमती कुमारी मंजू वर्मा, विधायक श्री श्याम रजक, विधान पार्षद श्री नीरज कुमार, विधान पार्षद श्री संजय कुमार सिंह उर्फ गॉधी जी, जदयू नेता श्री अजय आलोक, जदयू युवा प्रदेश अध्यक्ष श्री संतोष कुशवाहा सहित जनता दल युनाईटेड के बड़ी संख्या में नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

******